

37वाँ सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हरियाणा के सूरजकुंड में 37वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले का उद्घाटन किया।

मुख्य बंदि:

- यह हमारे शिल्पकारों को कला प्रेमियों से जोड़ने का एक प्रभावी मंच है। यह मेला एक कला प्रदर्शनी और व्यापार केंद्र, दोनों है।
- यह मेला हस्तशिल्प, हथकरघा और भारत की सांस्कृतिक वरिसत की समृद्धति तथा वविधिता को प्रदर्शति करता है।
- मेले में लगभग 50 देश भाग लेंगे। इन देशों में इथियोपिया, घाना, केन्या, नामीबिया, नाइजीरिया, युगांडा, ज़म्बिाबवे, मॉरीशस, म्याँमार, नेपाल, रूस, श्रीलंका समेत अन्य शामिल हैं।
 - शिल्प मेले में तंज़ानिया ने भागीदार राष्ट्र के रूप में भाग लिया।
- गुजरात थीम राज्य है जो क्षेत्र के वभिन्न कला रूपों और हस्तशिल्प के माध्यम से अपनी अनूठी संस्कृति तथा समृद्ध वरिसत का प्रदर्शन कर रहा है।